राज्य विश्वविद्यालयों के परामर्श से सलाहकार बोर्डों को गठित करना ।

(घ) छात्रवृत्तियां तथा पुरस्कार आरम्भ करना तथा सहकारिता पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे छात्रों में से प्रशिक्षण अधिकारियों की भर्ती करना जिससे सहयोग के अध्ययन के लिए काफी संख्या में छात्रों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी ।

4. (क) सहयोग में अनुसंधान को प्रोत्साहन देना तथा काफी संख्या में अनुसंधान के लिए छात्रों को उत्तरोत्तर रूप में शिक्षावृत्ति प्रदान करने पर विचार करना ।

(ख) सहयोग के क्षेत्र में अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा सहकारिता प्रशिक्षण संस्थाओं में सहयोग में अध्यक्षों की व्यवस्था करना ।

Operational costs of Railways

136. SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Railway Board has written to the State Governments requesting them to bear at least 50 per cent operational costs incurred in running certain economically non-viable section of Railways; and

(b) if so, what is the reaction of the State Governments in this regard?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI BANSI LAL): (a) Yes, Sir. Arising out of the recommendation of the Railway Reforms Committee, the Ministry of Railways have written to the State Governments concerned that they should agree either to the closure of certain uneconmic branch lines or share 50 per cent of the losses suffered by Railways in operating such of those lines as the State Governments concerned desire to be continued.

(b) Replies received so far are generally not in favour of either of the proposals.

Estimated demand of power during 1985-86

137. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) what is the estimated demand of power during 1985-86 and what is the basis thereof;

(b) what is the extent of power capacity likely to be achieved during 1985-86 as compared to that in 1984-85; and

(c) what steps Government propose to take to achieve the target for 1985-86?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER (SHRI ARUN NEHRU): (a) The anticipated energy requirement of the country for the year 1985-86 is 181 billion units, based on the actual consumption during the previous year suitably increased to take care of the power cuts/regularly measures, wherever applicable and allowing for a suitable rate of growth in power requirement.

(b) During 1985-86, it is programmed to commission new generating capacity of 4459.5 MW as compared to 3080 MW commissioned during 1984-85.

(c) Intensive monitoring is being done to achieve the targets for 1985-86.

Expert committee to ascertain the causes of accidents

138. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up an Expert Committee to ascertain and to analyse the "root cause" of the railway accidents and derailments instead of the present practice of inquiring into such accidents by the Accident Enquiry Committees;

(b) if so, with what results; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, whether Government propose to set up an Expert Committee for the purpose?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI BANSI LAL): (a) No. Sir.

(b) Does not arise.

(c) No. Sir.

बरियारपुर रेलवे स्टेशन पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव

139. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्व रेलवे के बरियारपुर रेलवे स्टेशन पर लूप लाइन का प्लेटफार्म बहुत छोटा है तथा वहां बुनियादी सुख-सुविधाओं जैसे पेय जल, जलपान गृहों का अभाव है हालांकि रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति द्वारा यह स्वीकार कर लिया गया था कि ये सब सुविधाएं वहां उपलब्ध करायी जायें; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ?

रेल मंत्री (श्री बंसी लाल) : (क) और (ख) बरियारपुर स्टेशन पर लूप लाइन के प्लेटफार्म की लम्बाई और चौड़ाई को वर्तमान यातायात के लिए पर्याप्त समझा गया है । इस प्लेटफार्म पर एक हैंड ट्यूबवेल की व्यवस्था की गयी है और 1986–87 में शामिल करने के लिए एक गहरा नलकूप बनाने का प्रस्ताव किया गया है बशर्ते कि धनराशि उपलब्ध हो । इस प्लेटफार्म पर कोई जलपान-स्टाल नहीं है, लेकिन 29–11–84 को मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति की बैठक में सहमति होने पर, इस स्टेशन पर नाश्ता आदि बेचने के लिए वेंडिंग ठेका दे दिया गया है ।

दानापुर-हावड़ा फास्ट पैसेंजर ट्रेन

140. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दानापुर-हावड़ा फास्ट पैसेंजर ट्रेन जो डीजल इंजन से चलायी जाती थी अब भाप रेल इंजन से चलायी जा रही है और इसके फलस्वरूप वह विलम्ब से चलती है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

रेल मंत्री (श्री बंसी लाल) : (क) 327/328 दानापुर-हावड़ा फास्ट पैसेंजर गाड़ी फिर से भाप कर्षण द्वारा चलायी जाने लगी है क्योंकि 1985–86 में अतिरिक्त माल यातायात की ढुलाई के लिए डीजल इंजनों की जरूरत है । इस गाड़ी का देर से चलने का यह एक मात्र कारण नहीं है, अपितु अन्य कारण भी है, जैसे खतरे की जंजीर खींचना, शरारती गतिविधियां, विस्थापित क्रासिंग और अग्रता, सिगनल की खराबियां, आंधी-पानी, आदि ।

(ख) इस गाड़ी के समय पालन पर कड़ी नजर रखने तथा उसमें सुधार लाने के लिए पहले ही कदम उठाये जा चुके है ।

Shipping Development Fund Committee

141. SHRI BISWA GOSWAMY:
DR. SHANTI G. PATEL:
SHRI M. S. GURUPADA SWAMY:

Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the functioning of the Shipping Development Fund Committee SDFC has come to a stand still;